अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : अप्रैल-मई 2026

परीक्षा का नाम : विशारद पूर्ण (प्रथम प्रश्नपत्र)

विषय : तबला / पखावज

दि. 19/04/2026 समय : 3 घंटे (सुबह 9 से 12) कुल अंक : 75

सूचना : 1) किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।
2) सभी प्रश्नों के अंक समान है ।

प्र.1) सहि या गलत पहचानकर उचित उत्तर पुनर्रलिखित करे। (15)

1) पेशकार वादन करते समय कायदा प्रस्तुती के नियम अनिवार्य है।
2) दिल्ली घराने में सिर्फ चतुरस्त्र जाती वादन होता है।
3) चक्रधार रचना मे तिहाई होना आवश्यक नही है।
4) मिश्र जाती रचना मे प्रत्येक मात्रा के सात लघू होना आवश्यक है।
5) बेदम तिहाई मे एक मात्रा से कम दम होता है।
6) तबला वादन मे मोहरे की तूलना तुकडा बडा होता है।
7) कर्नाटक गायन मे पखावज से संगत होती है।
8) सनई ये घन वाद्य है।
9) तबले पर सुलताल और झपताल बजाने की पध्दत (निकास) एक ही है।
10) लाला भवानी दिन पखावज के घराने के आद्यपुरुष माने जाते है।
11) अजराडा घराने की वादन शैली पर पंजाब घराने की छाप दिखती है।
12) ठुमरी उपशास्त्रीय गायन प्रकार है।
13) परण ये मृदुंगम से तालुक रखता है।
14) फरुकाबाद घराने मे वादन करते समय तबले के लब का प्रयोग नही किया जाता।
15) त्रिताल / आदिताल मे दिपचंदी अंग का वादन होता है और वो रचना मिश्र जाती कि होगी।

प्र.2) पंडित भातखंडे और पंडित पलुस्कर ताल लिपी की तुलना करें और एकताल दोनो में लिपीबध्द करें। (8+7=15)

प्र.3) सोदाहरण परिभाषा लिखे। (कोई 3) (5x3=15)
1) चौपल्ली 2) सिधा चक्रधार 3) लडी 4) परण

प्र.4) लय-लयकारी क्या होती है और त्रिताल / आदिताल की आड, कुआड, बिआड लिपीबध्द करे। (8+7=15)

प्र.5) घराने के बारे में आप क्या जानते है? किसी दो घराने की तुलनात्मक वर्णन करे। (15)

प्र.6) धात्रक धिकिट कतग दिगन धा इस बोल समूह आधार पर ताल सवारी (15 मात्रा), ताल रुपक और ताल झपताल में सम से सम तक तिहाई लिपीबध्द करे। (15)

प्र.7) साथ संगत के तत्त्व समझाकर आप स्वतंत्र वादन किस प्रकार पेश करेंगे विस्तृत टिपणी लिखे। (15)

Exam : Visharad Purna (First Paper)

Subject : Tabala / Pakhavaj

Date : 19/04/2026 Timing : 9 am to 12 noon Total Marks - 75

Note : 1) Write any 5 questions.
2) Each question carry equal marks.

Q.1) Identify true or false and rewrite correct answer. **(15)**

1) Rules of Kayada are mandatory while playing the Peshkar.
2) In Delhi gharana only Chaturastra Jati is played.
3) In Chakradhar composition it is not necessary to have Tihaaie.
4) In Mishra Jati composition it is necessary to have seven Laghus in each Matra.
5) In Bedam Tihaaie there is Dam less than one Matra.
6) In Tabla playing Tukada is bigger than Mohara.
7) In Karnataka singing style, there is accompaniment of Pakhavaj.
8) Sanai is a Ghana Instrument.
9) The method (Nikas) of playing Sultaal and Jhaptaal on Tabla is same.
10) Lala Bhavani Din is considered to be the founder of Pakhawaj gharana.
11) The influence of Punjab gharana is seen on the playing style of Ajrada gharana.
12) Thumri is a semi-classical singing style.
13) Paran belongs to Mridungam.
14) While playing in the Farooqabad gharana, the lav of the Tabla is not used.
15) In Tritaal / Aditaal, the Dipchandi anga is played and that composition is of Mishra jati.

Q.2) **Compare Pandit Bhatkhande and Pandit Paluskar Taal Lipi and write down Ektaal in both lipis.** (8+7=15)

Q.3) **Write down definition with examples.** (5x3=15)
(Any 3)
1) Chaupalli 2) Sidha Chakradhar 3) Ladi 4) Paran

Q.4) **What is Lay-Layakari and write down Aaad, Kuaad, Biaad or Trital / Aditai.** (8+7=15)

Q.5) **What do you know about Gharana? Give a comparative description of any two Gharanas in detail.** (15)

Q.6) **With the help of 'Dhatrak Dhikit Katag Digan Dha' bol group, write down Tihai from Sam to Sam in Taal Sawari (15 matra), Taal Rupak and Taal Jhaptaal.** (15)

Q.7) **Write a detailed note explaining the principles of accompaniment and how you will present solo playing.** (15)